



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 266]
No. 266]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 19, 1984/आषाढ़ 28, 1906
NEW DELHI, THURSDAY, JULY 19, 1984/ASHADHA 28, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1984

मा०का०नि० 516(घ) :—खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का एक प्रारूप खाद्य अपमिश्रण निवारण-अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा यथा अपेक्षित भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की अधिसूचना सं० मा० का० नि० 337 तारीख 12 मार्च, 1981 और मा० का० नि० सं० 55, तारीख 21 मिनस्वर, 1982 के अधीन भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 28 मार्च, 1981 और 15 जनवरी, 1983 के पृष्ठ 853 से 860 तथा और पृष्ठ 124 से 127 पर प्रकाशित किया गया था जिसमें संबंधित अधिसूचनाओं में विनिर्दिष्ट तारीख से नब्बे दिन की अवधि की समाप्ति के पूर्व उन सभी व्यक्तियों के आक्षेप और मुद्दात्र मांगे गए थे जिनके उभये प्रभावित होने की संभावना है।

और यह बाछनीय समझा जाता है कि उक्त प्रारूप नियमों को उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए फिर से प्रकाशित किया जाए जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है।

512 GI/84

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रदेश गणितियों का प्रयोग करते हुए तथा केन्द्रीय खाद्य मानक समिति से परामर्श करने के पश्चात् खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करना चाहती है। जैसा कि उक्त उपधारा में अपेक्षित है कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर उम नारोख से जिनको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी जाती है 90 दिन की अवधि की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व उक्त प्रारूप नियमों की बाबत जो भी आक्षेप या मुद्दात्र किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

आक्षेप या मुद्दात्र यदि कोई हों, सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य विभाग, निर्माण भवन, नई दिल्ली को भेजे जाएं

प्रारूप नियम

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण (संशोधन) नियम, 1984 है।
- (2) ये राजपत्र में उनके अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. खाद्य अधिश्रृण निवारण नियम, 1955 के परिशिष्ट "ख" में मदक 18-06 के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी अर्थात्—

"क" 18-06 खाद्यान्न जो मानव उपभोग के लिए है, वे आलू, ज्वार, बाजरा और दालों के साबुत या टूटे हुए दाने होंगे। आलू के लिए नीचे वर्णित मानकों के अनुषंग के प्रतिशत से किसी भी प्रकार की केसरी दाग से मुक्त होंगे। ये डाले गए, किराई पैंग से भी मुक्त होंगे खाद्यान्न में नियम 65 की मारणी के स्तर 2 में विनिर्दिष्ट से भिन्न कीटनाशी अवशिष्ट नहीं होंगे और खाद्यान्न में कीटनाशी अवशिष्ट उक्त मारणी के स्तर 1 में विनिर्दिष्ट परीमीमा से अधिक नहीं होंगे।

क—18-06-01—गेहूँ

वर्णन—गेहूँ ट्रिटिकम अस्टीवमिन या ट्रिटिकम बर्गारेपिने ट्रिटिकम ह्यूम ड्रेम, ट्रिटिकम स्फोकोकम पेरे ट्रिटिकम डोफोडम स्कुबेल ट्रिटिकम कम्पेकटम होस्ट के मुख्याण हुए पके दाने होंगे। यह मीठा साफ और स्वास्थ्यप्रद होगा। यह निम्नलिखित विनिर्देशों के अनुरूप होगा :—

- (1) आर्द्रता—भार के अनुसार 14 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी (जो प्रकीर्णित दानों को 130° से० ग्रे० 133° से० ग्रे० पर दो घंटे तक गर्म करने पर अभिप्राप्त होगी)।
- (2) विजातीय पदार्थ—भार के अनुसार 4 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे जिसमें से अकार्बनिक पदार्थ और विषैले बीज भार के अनुसार क्रमशः 1.0 और 0.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे। विषैले बीजों की कुल सीमा में से धतूरा और अकरा (विमिया स्पेसीज) भार के अनुसार क्रमशः 0-0.25 और 0-2 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (3) अन्य खाद्य दाने—भार के अनुसार 6 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (4) क्षतिग्रस्त दाने—भार के अनुसार 6-0 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे जिसमें कण्ठाल घट से प्रभावित दाने और आरगोट से प्रभावित दाने हैं। आरगोट से प्रभावित दानों की सीमा भार के अनुसार 0.05 प्रतिशत होगी।
- (5) कीड़ा खाए हुए दाने—भार के अनुसार 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (6) मूत्राम्ल—प्रति किलोग्राम 100 मि० ग्रा० से अधिक नहीं होगा।
- (7) कुत्तक बाल तथा मल—प्रति किलोग्राम 5 टुकड़े से अधिक नहीं होंगे।
- (8) माइक्रोटक्सीन जिसमें अक्लाटक्सी भी है प्रति किलोग्राम 30 माइक्रोग्राम से अधिक नहीं होंगे।

परन्तु विजातीय पदार्थ, अन्य खाद्य दानों और क्षतिग्रस्त दानों का योग भार के अनुसार 12 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

क—18-06-02 मक्का :

मक्का सूखा और जिरा मेज के पके हुए दाने होंगे। यह मीठा साफ और स्वास्थ्यप्रद होगा। यह निम्नलिखित विनिर्देशों के अनुरूप होगा :—

- (1) आर्द्रता—भार के अनुसार 16.0 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी (जो प्रकीर्णित दानों को 130° से० ग्रे०— 133° से० ग्रे० पर दो घंटे तक गर्म करने पर अभिप्राप्त होगी)।

- (2) विजातीय पदार्थ—भार के अनुसार 4 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे जिसमें से अकार्बनिक पदार्थ और विषैले बीज क्रमशः भार के अनुसार 1.0 और 0.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे। विषैले बीजों की कुल सीमा में से धतूरा और अकरा (विमिया स्पेसीज) भार के अनुसार क्रमशः 0.025 और 0.2 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

- (3) अन्य खाद्य दाने—भार के अनुसार 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

- (4) क्षतिग्रस्त दाने—भार के अनुसार 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

- (5) कीड़ा खाए दाने—भार के अनुसार 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

- (6) मूत्राम्ल—प्रति किलोग्राम 1000 मि० ग्रा० से अधिक नहीं होगा।

- (7) कुत्तक बाल और मल—प्रति किलोग्राम 5 टुकड़े से अधिक नहीं होंगे।

- (8) माइक्रोटक्सीन जिसमें अक्लाटक्सी भी है प्रति किलोग्राम 30 माइक्रोग्राम से अधिक नहीं होगी।

परन्तु विजातीय पदार्थ अन्य खाद्य दानों और क्षतिग्रस्त दानों का योग भार के अनुसार 9 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

क—18.06.03. ज्वार और बाजरा :

ज्वार और बाजरा क्रमशः सोरघम बर्गारेपिने और पेंसीसेटम टाइ-फाइड के मुख्याण हुए पके दाने होंगे। ये मीठे, कड़े, साफ और स्वास्थ्यप्रद होंगे। ये निम्नलिखित विनिर्देशों के अनुरूप होंगे :—

- (1) आर्द्रता—भार के अनुसार 14.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी (जो प्रकीर्णित दानों को 130° से० ग्रे०— 133° से० ग्रे० पर दो घंटे तक गर्म करने पर अभिप्राप्त होगी)।

- (2) विजातीय पदार्थ—भार के अनुसार 4 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे जिसमें से अकार्बनिक पदार्थ और विषैले बीज क्रमशः 1.0 प्रतिशत और 0.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे। विषैले बीजों की कुल सीमा में से धतूरा और अकरा (विमिया स्पेसीज) भार के अनुसार क्रमशः 0.25 और 0.2 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

- (3) अन्य खाद्य दाने—भार के अनुसार 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

- (4) क्षतिग्रस्त दाने : भार के अनुसार 6 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे जिसमें से अरगोट से प्रभावित दाने भार के अनुसार 0.05 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

- (5) कीड़ा खाए दाने—भार के अनुसार 6 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

- (6) मूत्राम्ल—प्रति किलोग्राम 100 मि० ग्रा० से अधिक नहीं होगा।

- (7) कुत्तक बाल और मल—प्रति किलोग्राम 5 टुकड़े से अधिक नहीं होंगे।

- (8) माइक्रोटक्सीन जिसमें अक्लाटक्सी भी है प्रति किलोग्राम 30 माइक्रोग्राम से अधिक नहीं होगी।

परन्तु विजातीय पदार्थ अन्य खाद्य दानों और क्षतिग्रस्त दानों का योग भार के अनुसार 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

क. 18.06.04—खाद्य :

खाद्य आंगरूजा सेटाइया की पकी गुठलिया या गुठलियों के टुकड़े होंगे जो घान से कच्चे या उबालकर प्राप्त किए जाएंगे। ये सूखे, सीटे, माफ, स्वास्थ्यप्रद हानिकार विदेशी पदार्थों से मुक्त होंगे। यह निम्नलिखित विनिर्देशों के अनुरूप होंगे :—

- (1) आर्द्रता : भार के अनुसार 16 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। (जो प्रकीर्णित दानों को 130° से 133° से० ग्रे० पर दो घंटे तक गर्म करने पर अभिप्राप्त होगी)।
- (2) विजातीय पदार्थ : भार के अनुसार 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे जिसमें से अकार्बनिक पदार्थ 1 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (3) क्षतिग्रस्त दाने : भार के अनुसार 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (4) कीड़ा खाए दाने : भार के अनुसार 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (5) मूत्रास्य तत्व : प्रति किलोग्राम 100 मि० ग्रा० से अधिक नहीं होंगे।
- (6) कुन्तक बाल और मल : प्रति किलोग्राम 2 टुकड़े से अधिक नहीं होंगे।
- (7) माइक्रोटाक्सीन जिसमें अफलाटाक्सीन भी है प्रति किलोग्राम 30 माइक्रोग्राम से अधिक नहीं होंगे।

परन्तु विजातीय पदार्थ और कीड़ा खाए दानों का योग भार के अनुसार 6 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

क. 18.06.05—मसूर साबुत :

मसूर साबुत में लेन्टिन (लैन्स कुलीनेटिस मेडिक या इक्षम लैन्स लिग या लैन्स एस्कुरेन्टा माइनर) होंगी। वह ठोस, सूखी, सीटी, माफ और स्वास्थ्यप्रद होगी। यह निम्नलिखित विनिर्देशों के अनुरूप होगी :

- (1) आर्द्रता : भार के अनुसार 14 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी (जो प्रकीर्णित दानों को 130° से 133° से० ग्रे० पर दो घंटे तक गर्म करने पर अभिप्राप्त होगी)।
- (2) विजातीय पदार्थ : भार के अनुसार 4 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे जिसमें से अकार्बनिक पदार्थ एक प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (3) अन्य खाद्य दाने : भार के अनुसार 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (4) क्षतिग्रस्त दाने : भार के अनुसार 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (5) कीड़ा खाए दाने : भार के अनुसार 6 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (6) मूत्रास्य : प्रति कि० ग्रा० 100 मि० ग्रा० से अधिक नहीं होगा।
- (7) कुन्तक बाल और मल : प्रति कि० ग्रा० 2 टुकड़े से अधिक नहीं होगा।
- (8) माइक्रोटाक्सीन जिसमें अफलाटाक्सीन भी है : प्रति कि० ग्रा० 30 माइक्रोग्राम से अधिक नहीं होगा।

परन्तु विजातीय पदार्थ, अन्य खाद्य दानों और क्षतिग्रस्त दानों का योग भार के अनुसार 9 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

क. 18.06.06—उड़द साबुत :

उड़द साबुत में दालों (कैसि ओलस मूगों लिन) के बीज होंगे। वह ठोस, सूखी, सीटी और स्वास्थ्यप्रद होगी। यह निम्नलिखित विनिर्देशों के अनुरूप होंगी :—

- (1) आर्द्रता—भार के अनुसार 14 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी (जो प्रकीर्णित दालों को 130° से 133° से० ग्रे० पर दो घंटे तक गर्म करने पर अभिप्राप्त होगी)।
- (2) विजातीय पदार्थ : भार के अनुसार 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे जिसमें से अकार्बनिक पदार्थ 1 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (3) अन्य खाद्य दाने : भार के अनुसार 4 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (4) कीड़ा खाए दाने : भार के अनुसार 6 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (5) क्षतिग्रस्त दाने : भार के अनुसार 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (6) मूत्रास्य तत्व : प्रति कि० ग्रा० 100 मि० ग्रा० से अधिक नहीं होगा।
- (7) कुन्तक बाल और मल : प्रति कि० ग्रा० 2 टुकड़े से अधिक नहीं होंगे।
- (8) माइक्रोटाक्सीन जिसमें अफलाटाक्सीन भी है : प्रति कि० ग्रा० 30 माइक्रोग्राम से अधिक नहीं होगी।

परन्तु विजातीय पदार्थ अन्य खाद्य दानों और क्षतिग्रस्त दानों का योग भार के अनुसार 9 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

क. 18.06.07—मूंग साबुत :

मूंग साबुत में मूंग (फेमिओलस अरेअस रोक्सव फेमिओलस रेडिएटस रोक्सव) के बीज होंगे। वह ठोस, सूखी सीटी, स्वास्थ्यप्रद और हानिकारक पदार्थों के मिश्रण से मुक्त होगी। यह निम्नलिखित विनिर्देशों के अनुरूप होंगी, अर्थात् :—

- (1) आर्द्रता : भार के अनुसार 14 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी (जो प्रकीर्णित दालों को 130° से 133° से० ग्रे० पर दो घंटे तक गर्म करने पर अभिप्राप्त होगी)।
- (2) विजातीय पदार्थ : भार के अनुसार 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे जिसमें से अकार्बनिक पदार्थ 1 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (3) अन्य खाद्य दाने : भार के अनुसार 4 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (4) क्षतिग्रस्त दाने : भार के अनुसार 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (5) कीड़ा खाए दाने : भार के अनुसार 6 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (6) मूत्रास्य : प्रति किलोग्राम 100 मि० ग्रा० से अधिक नहीं होगा।
- (7) कुन्तक बाल और मल : प्रति किलोग्राम 2 टुकड़े से अधिक नहीं होंगे।
- (8) माइक्रोटाक्सीन जिसमें अफलाटाक्सीन भी है : प्रति कि० ग्रा० 30 माइक्रोग्राम से अधिक नहीं होगी।

परन्तु विजातीय पदार्थ, अन्य खाद्य दानों और अतिग्रस्त दानों का योग भार के अनुसार 9 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

क. 18.06.08—चना साबुत :

चना साबुत में चना (साइमर ऐरोटिनम लिन) के सूखे दाने होंगे। वे ठोस, साफ, मड़े, स्वास्थ्यप्रद और हानिकारक पदार्थों से मुक्त होंगे। वे निम्नलिखित विनिर्देशों के अनुरूप होंगे, अर्थात् :—

- (1) आर्द्रता : भार के अनुसार 16 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी (जो प्रकीर्णित दानों को 130° से० ग्रे०— 133° से० ग्रे० पर दो घंटे तक गर्म करने पर अभिप्राप्त होगी)।
- (2) विजातीय पदार्थ : भार के अनुसार 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे जिनमें से अकार्बनिक पदार्थ 1 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (3) अन्य खाद्य दाने : भार के अनुसार 4 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (4) अतिग्रस्त दाने : भार के अनुसार 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (5) कीड़ा खाए दाने : भार के अनुसार 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (6) मूत्राम्ल तत्व : प्रति किलोग्राम 100 मि० ग्रा० से अधिक नहीं होगा।
- (7) कुत्तक बाल और मल : प्रति किलोग्राम 2 टुकड़े से अधिक नहीं होंगे।
- (8) माइक्रोटाक्सीन जिसमें अफलाटाक्सीन भी है : प्रति कि० ग्रा० 30 माइक्रोग्राम से अधिक नहीं होंगी :

परन्तु विजातीय पदार्थ, अन्य खाद्य दानों और अतिग्रस्त दानों का योग भार के अनुसार 9 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

क. 18.06.09 दली हुई (दाल) अरहर :

दाल अरहर लाल चने (वैजेंस एल कैजल मिलशप) की भूसी और दले हुए बीज होंगे। वे ठोस, साफ, मीठी, सूखी स्वास्थ्यप्रद और हानिकारक पदार्थों के मिश्रण से मुक्त होंगे। वह निम्नलिखित विनिर्देशों के अनुरूप होंगी अर्थात् :—

- (1) आर्द्रता : भार के अनुसार 14 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। (जो प्रकीर्णित दालों को 130° से० ग्रे०— 133° से० ग्रे० पर दो घंटे तक गर्म करने पर अभिप्राप्त होगी)।
- (2) विजातीय पदार्थ : भार के अनुसार 2 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे। जिनमें से अकार्बनिक पदार्थ भार के अनुसार 1 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (3) अन्य खाद्य दाने : भार के अनुसार 0.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (4) अतिग्रस्त दाने : भार के अनुसार 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (5) कीड़ा खाए दाने : भार के अनुसार 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (6) मूत्राम्ल तत्व : प्रति किलोग्राम 100 मि० ग्रा० से अधिक नहीं होंगे।

- (8) कुत्तक बाल और मल : प्रति किलोग्राम 2 टुकड़े से अधिक नहीं होंगे। माइक्रोटाक्सीन जिसमें अफलाटाक्सीन भी है : प्रति किलोग्राम 30 माइक्रोग्राम से अधिक नहीं होंगे :

परन्तु विजातीय पदार्थ, अन्य खाद्य दानों, और अतिग्रस्त दानों का योग भार के अनुसार 6 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा। क. 18-06-10 दली हुई दाल मूंग :

दाल मूंग में मूंग (कैसिओलाग मारेप्रस राक्सब) के दले हुए बीज होंगे वह ठोस, साफ मीठी, स्वास्थ्यप्रद और हानिकारक पदार्थों के मिश्रण से मुक्त होंगी।

वह निम्नलिखित मानकों के अनुरूप होंगी :—

- (1) आर्द्रता : भार के अनुसार 14 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी (जो प्रकीर्णित दालों को 130° से० ग्रे०— 133° से० ग्रे० पर दो घंटे तक गर्म करने पर अभिप्राप्त होगी)।
- (2) विजातीय पदार्थ : भार के अनुसार 2 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे जिनमें से अकार्बनिक पदार्थ 1 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (3) अन्य खाद्य दाने : भार के अनुसार 4 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (4) अतिग्रस्त दाने : भार के अनुसार 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (5) कीड़ा खाए दाने : भार के अनुसार 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (6) मूत्राम्ल तत्व : प्रति किलोग्राम 100 मि० ग्रा० से अधिक नहीं होंगे।
- (7) कुत्तक बाल और मल : प्रति किलोग्राम 2 टुकड़े से अधिक नहीं होंगे।
- (8) माइक्रोटाक्सीन जिसमें अफलाटाक्सीन भी है : प्रति किलोग्राम 30 माइक्रोग्राम से अधिक नहीं होगी :

परन्तु विजातीय पदार्थ अन्य खाद्य दालों और अतिग्रस्त दानों का योग भार के अनुसार 8 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

क. 18.06.11—दली हुई दाल उड़द :

दाल उड़द में दाल (फेसेओलस मूंग लिन) के दले हुए बीज होंगे। वह ठोस, सूखी, मीठी, स्वास्थ्यप्रद और हानिकारक पदार्थों के मिश्रण से मुक्त होंगी। वह निम्नलिखित विनिर्देशों के अनुरूप होंगी :—

- (1) आर्द्रता : भार के अनुसार 14 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी (जो प्रकीर्णित दालों को 130° से० ग्रे०— 133° से० ग्रे० पर दो घंटे तक गर्म करने पर अभिप्राप्त होगी)।
- (2) विजातीय पदार्थ : भार के अनुसार 2 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे जिनमें से अकार्बनिक पदार्थ भार के अनुसार 1 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (3) अन्य खाद्य दाने : भार के अनुसार 4 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (4) अतिग्रस्त दाने : भार के अनुसार 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (5) कीड़ा खाए दाने : भार के अनुसार 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

- (6) मूत्राश्ल तत्व : प्रति किलोग्राम 100 मि० ग्रा० से अधिक नहीं होंगे।
- (7) कुल्लक बाल और मल : प्रति किलोग्राम 2 टुकड़े से अधिक नहीं होंगे।
- (8) माइक्रोटाक्सीन जिसमें अफलाटाक्सीन भी है प्रति किलोग्राम 30 माइक्रोग्राम से अधिक नहीं होंगी :—

परन्तु विजातीय पदार्थ, अन्य खाद्य दानों, और क्षतिग्रस्त दानों का योग भार के अनुसार 8 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

क. 18-06.12 दाल चना :

दाल चना में चना (साइसर ऐरीटनम लिन) के बने हुए दाने होंगे। वह ठोस, साफ, मोटी सुखी स्वास्थ्यप्रद और हानिकर पदार्थों के मिश्रण से मुक्त होगी। वह निम्नलिखित मानकों के अनुरूप होगी :—

- (1) आर्द्रता : भार के अनुसार 16 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी (जो प्रकीर्णित दानों को 130° — 133° से० ग्रे० पर दो घंटे तक गर्म करने पर अभिप्राप्त होगी)
- (2) विजातीय पदार्थ : भार के अनुसार 2 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे। जिसमें अकार्बनिक पदार्थ भार के अनुसार 1 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (3) अन्य खाद्य दाने : भार के अनुसार 2 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (4) क्षतिग्रस्त दाने भार के अनुसार 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (5) कीड़ा खाद्य दाने : भार के अनुसार 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (6) मूत्राश्ल तत्व : प्रति किलोग्राम 100 मि० ग्रा० से अधिक नहीं होंगे।
- (7) कुल्लक बाल और मल : प्रति किलोग्राम 2 टुकड़े से अधिक नहीं होंगे।
- (8) माइक्रोटाक्सीन जिसमें अफलाटाक्सीन भी है : प्रति किलोग्राम 30 माइक्रोग्राम से अधिक नहीं होगी :—

परन्तु विजातीय पदार्थ अन्य खाद्य दानों और क्षतिग्रस्त दानों का योग भार के अनुसार 7 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

क. 18-06.13 दली हुई दाल मसूर

दाल मसूर में लेन्टिल (लेन्स एस्कुलेटा मोएनय या लेन्स कुम्भीनरीस मेडिक या हरबम लेन्स लिन) की भसी और दले हुए बीज होंगे। वह ठोस, साफ, मोटी, स्वास्थ्यप्रद और हानिकर पदार्थों के मिश्रण से मुक्त होगी। वह निम्नलिखित मानकों के अनुरूप होगी :—

- (1) आर्द्रता : भार के अनुसार 14 प्रतिशत से अधिक नहीं (जो प्रकीर्णित दानों को 130° — 133° से० ग्रे० पर दो घंटों तक गर्म करने पर अभिप्राप्त होगी)।
- (2) विजातीय पदार्थ : भार के अनुसार 2 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे जिनमें से अकार्बनिक पदार्थ भार के अनुसार 1 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (3) अन्य खाद्य दाने : भार के अनुसार 2 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (4) क्षतिग्रस्त दाने : भार के अनुसार 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

- (5) कीड़ा खाद्य दाने : भार के अनुसार 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

- (6) मूत्राश्ल तत्व : प्रति किलोग्राम 100 मि० ग्रा० से अधिक नहीं होंगे।
- (7) कुल्लक बाल और मल : प्रति किलोग्राम 2 टुकड़े से अधिक नहीं होंगे।
- (8) माइक्रोटाक्सीन जिसमें अफलाटाक्सीन भी है : प्रति किलोग्राम 30 माइक्रोग्राम से अधिक नहीं होगी :—

परन्तु विजातीय पदार्थ अन्य खाद्य दानों, और क्षतिग्रस्त दानों का योग भार के अनुसार 7 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

क. 18-06.14

कोई अन्य खाद्यान्न जिन्हें ऊपर विनिर्दिष्ट नहीं किया गया है, वे निम्नलिखित मानकों के अनुरूप होंगे, अर्थात्:—

- (1) आर्द्रता : भार के अनुसार 16 प्रतिशत से अधिक नहीं (जो प्रकीर्णित दानों को 130° — 133° से० ग्रे० पर दो घंटे तक गर्म करने पर अभिप्राप्त होगी)।
- (2) विजातीय पदार्थ : भार के अनुसार 6.0 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे जिनमें से अकार्बनिक पदार्थ और बिपैले बीज क्रमशः भार के अनुसार 1.0 और 0.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे। जिसमें से बिपैले बीजों की कुल सीमा धतूरा और अकरा (बिसिया स्पेसीज) भार के अनुसार क्रमशः 0.225 और 0.2 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (3) अन्य खाद्य दाने : भार के अनुसार 6 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (4) कीड़ा खाद्य दाने : भार के अनुसार 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (5) क्षतिग्रस्त दाने : भार के अनुसार 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (6) मूत्राश्ल तत्व : प्रति किलोग्राम 100 मि० ग्रा० से अधिक नहीं होगा।
- (7) कुल्लक बाल और मल प्रति किलोग्राम 5 टुकड़े से अधिक नहीं होगा।
- (8) माइक्रोटाक्सीन जिसमें प्रति किलोग्राम 30 माइक्रोग्राम से अधिक नहीं होगी। अफलाटाक्सीन भी है :

परन्तु विजातीय पदार्थ, अन्य खाद्य दानों और क्षतिग्रस्त दानों के अनुसार 9 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

स्पष्टीकरण : इस भाग के प्रयोगों के लिये :—

- (क) “विजातीय पदार्थ” से अभिप्रेत है खाद्यान्न से भिन्न ऐसा कोई बाहरी पदार्थ जिसमें निम्नलिखित समाविष्ट है :—

- (i) अकार्बनिक पदार्थ के अन्तर्गत धातु के टुकड़े, बालू, बजरी, गंदगी, कंकड़, पत्थर, मिट्टी के पिंडक, मिट्टी और कीकड़ है और चावल की दशा में साबुत दूटे चावल के दाने यदि कोई हो उनके ऊपरी भाग में लगी हुई मिट्टी ; और
- (ii) कार्बनिक पदार्थ के अन्तर्गत भूसी, घास, फूस, लकड़ की बाल और अन्य अखाद्य दाने हैं और चावल की दशा में धान भी है।

(ख) विषैले बीज के अन्तर्गत धतूरा (डी फास्फर लिन और डी स्ट्रोमोनियम लिन) फाम्बुपुण (एप्रेस्टेमा, गिरहेज, मकार्थ बैलियम रिम्बुलनियम लिन) अरुण (विशियाम्पेसीज) और एप्रोपॉन मैक्सिकाना भी है।

(ग) शनिग्रस्त दानों से अभिप्रेत है ऐसा दानों के दूकड़े जो ताप, रोगाणु, आर्द्रता या मौसम के परिणामस्वरूप अकृत्रिम या प्राकृतिक रूप से शनिग्रस्त है अर्थात् अरगोट से प्रभावित दाने या कलनाज अट दाने हैं।

(घ) कीड़ा खाए दाने से अभिप्रेत है वे दाने जो भागल या पूर्णतः अनाज के लिये हानिकार कीड़े द्वारा क्षिप्त हैं किन्तु उसके अन्तर्गत कीड़ाओं द्वारा खाए गये दान और दानों पर अण्डों के अन्वये लगे दाने नहीं हैं।

(ङ) श्रव्य खाद्य दाने : किसी खाद्य दाने के अन्तर्गत ऐसा मिलहून है जो उससे भिन्न है जिस पर विचार किया जा रहा है।

टिप्पणः—खाद्य अपमिश्रण निवारण विधम, 1955 से संशोधित मूल नियम, प्रथम बार भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, में का. नि. आ. 2106, तारीख 12-8-55 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् उनमें निम्नलिखित द्वारा संशोधन किये गये :—

1. का. नि. आ. 1203, तारीख 26-5-56
2. का. नि. आ. 1687, तारीख 28-7-56
3. का. नि. आ. 2213, तारीख 28-9-56 (असाधारण)
4. का. नि. आ. 2755, तारीख 24-11-56

उसमें किये गये और संशोधन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) में निम्न प्रकार प्रकाशित किये गये थे :—

5. सा. का. नि. 514, तारीख 28-6-58
6. सा. का. नि. 1211, तारीख 20-12-58
7. सा. का. नि. 425, तारीख 4-4-60
8. सा. का. नि. 169, तारीख 11-2-61
9. सा. का. नि. 1134, तारीख 16-9-61
10. सा. का. नि. 1340, तारीख 4-11-61
11. सा. का. नि. 1564, तारीख 24-11-62
12. सा. का. नि. 1589, तारीख 22-10-64
13. सा. का. नि. 1814, तारीख 11-12-65
14. सा. का. नि. 74, तारीख 8-1-66
15. सा. का. नि. 382, तारीख 19-3-66
16. सा. का. नि. 1256, तारीख 26-8-67
17. सा. का. नि. 1533, तारीख 24-8-68
18. सा. का. नि. 2163, तारीख 14-12-68 (शुद्धिपत्र)
19. सा. का. नि. 532, तारीख 8-3-69
20. सा. का. नि. 1764, तारीख 27-7-69 (शुद्धिपत्र)
21. सा. का. नि. 2068, तारीख 30-8-69
22. सा. का. नि. 1889, तारीख 24-10-70
23. सा. का. नि. 938, तारीख 12-6-71
24. सा. का. नि. 992, तारीख 3-7-71

25. सा. का. नि. 553, तारीख 6-5-72
26. सा. का. नि. 436 (अ), तारीख 10-10-82
27. सा. का. नि. 133, तारीख 10-2-73
28. सा. का. नि. 205, तारीख 23-2-74
29. सा. का. नि. 850, तारीख 12-7-75
30. सा. का. नि. 508 (अ), तारीख 27-9-75
31. सा. का. नि. 63 (अ), तारीख 5-2-76
32. सा. का. नि. 754, तारीख 29-5-76
33. सा. का. नि. 856, तारीख 12-6-76
34. सा. का. नि. 1417, तारीख 2-10-76
35. सा. का. नि. 4 (अ), तारीख 4-1-77
36. सा. का. नि. 18 (अ), तारीख 15-1-77
37. सा. का. नि. 651 (अ), 20-10-77
38. सा. का. नि. 732 (अ), 5-12-77
39. सा. का. नि. 775 (अ), तारीख 27-12-77
40. सा. का. नि. 36 (अ), तारीख 21-1-78
41. सा. का. नि. 70 (अ), तारीख 8-2-78
42. सा. का. नि. 238 (अ), तारीख 20-4-78
43. सा. का. नि. 393 (अ), तारीख 4-8-78
44. सा. का. नि. 590 (अ), 23-12-78
45. सा. का. नि. 55 (अ), तारीख 31-1-78
46. का. आ. 142 (अ), तारीख 16-3-79 (शुद्धिपत्र)
47. सा. का. नि. 231 (अ), तारीख 6-4-79
48. सा. का. नि. 423, तारीख 30-6-79 (शुद्धिपत्र)
49. सा. का. नि. 1043, तारीख 11-8-79 (शुद्धिपत्र)
50. सा. का. नि. 1210 तारीख (29-9-79 (शुद्धिपत्र)
51. सा. का. नि. 19 (अ), तारीख 28-1-80
52. सा. का. नि. 243, तारीख 1-3-80
53. सा. का. नि. 244, तारीख 1-3-80
54. सा. का. नि. 996, तारीख 8-9-80 (शुद्धिपत्र)
55. सा. का. नि. 579 (अ), तारीख 13-10-80
56. सा. का. नि. 652 (अ), तारीख 14-11-80
57. सा. का. नि. 710 (अ), तारीख 22-12-80
58. सा. का. नि. 23 (अ), तारीख 16-1-81
59. सा. का. नि. 205 (अ), तारीख 25-3-81 (शुद्धिपत्र)
60. सा. का. नि. 290 (अ), तारीख 13-4-81
61. सा. का. नि. 444, तारीख 2-5-81 (शुद्धिपत्र)
62. सा. का. नि. 503 (अ), तारीख 1-9-81
63. सा. का. नि. 891, तारीख 3-10-81 (शुद्धिपत्र)
64. सा. का. नि. 1056, तारीख 5-12-81 (शुद्धिपत्र)
65. सा. का. नि. 80, तारीख 23-1-82 (शुद्धिपत्र)
66. सा. का. नि. 44 (अ), तारीख 5-2-82

- 67 सा.का.नि. 57(अ), तारीख 11-2-82
- 68 सा.का.नि. 245(अ), तारीख 11-3-82
- 69 सा.का.नि. 307(अ), तारीख 3-1-82 (शुद्धिपत्र)
- 70 सा.का.नि. 386, तारीख 17-4-82 (शुद्धिपत्र)
- 71 सा.का.नि. 422(अ), तारीख 24-5-82
- 72 सा.का.नि. 476(अ), तारीख 29-6-82
- 73 सा.का.नि. 504(अ), तारीख 20-7-82 (शुद्धिपत्र)
- 74 सा.का.नि. 753(अ), तारीख 11-12-82 (शुद्धिपत्र)
- 75 सा.का.नि. 109(अ), तारीख 26-2-83
- 76 सा.का.नि. 219(अ), तारीख 8-3-83
- 77 सा.का.नि. 268(अ), तारीख 16-3-83
- 78 सा.का.नि. 283(अ), तारीख 26-3-83
- 79 सा.का.नि. 329(अ), तारीख 14-4-83 (शुद्धिपत्र)
- 80 सा.का.नि. 539(अ), तारीख 1-7-83 (शुद्धिपत्र)
- 81 सा.का.नि. 634 तारीख 9-8-83 (शुद्धिपत्र)
- 82 सा.का.नि. 743 तारीख, 8-10-83 (शुद्धिपत्र)
- 83 सा.का.नि. 790(अ) तारीख, 10-10-83
- 84 सा.का.नि. 803(अ), तारीख 27-10-83
- 85 सा.का.नि. 816(अ) तारीख 3-11-83
- 86 सा.का.नि. 829(अ), तारीख 7-11-83
- 87 सा.का.नि. 848(अ), तारीख 19-11-83
- 88 सा.का.नि. 893(अ), तारीख 17-12-83 (शुद्धिपत्र)
- 89 सा.का.नि. 113 तारीख 20-1-84 (शुद्धिपत्र)
- 90 सा.का.नि. 500(अ) तारीख 9-7-84

[सं. पी-15014/4/80-पी.एच. (एक. एण्ड एन) पी एफ ए (जिल्द-3)]
एस. पी. सुब्रह्मण्यम, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 19th July, 1984

NOTIFICATION

G.S.R. 516(E).—Whereas certain draft rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 were published as required by sub-section (1) of the section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), at pages 853 to 860 and pages 124 to 127, with the notifications of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. GSR 337, dated the 12th March, 1981 and No. GSR 55, dated the 21st December, 1982, respectively, of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 28th March, 1981 and the 15th January, 1983 for inviting objections and suggestions from all

persons likely to be affected thereby before the expiry of ninety days from the date specified in the respective notifications;

And whereas, it is considered desirable to publish the said draft rules again for information of all persons likely to be affected thereby;

Now, therefore, the following draft rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 23 of the said Act, after consultation with the Central Committee for Food Standards, is hereby published as required by the said sub-section for information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration after the expiry of ninety days from the date on which the copies of the Official Gazette in which this notification is published are made available to the public.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

Objections or suggestions, if any, may be sent to the Secretary, Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) Nirman Bhavan, New Delhi.

DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Amendment) Rules, 1984.
- (2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, in Appendix B, for item A, 18.06, the following shall be substituted namely :—

“A. 18.06 --Foodgrains meant for human consumption shall be whole or broken kernels of cereals, millets and pulses. In addition to the undermentioned standards to which foodgrains shall conform, they shall be free from kesri in any form. They shall also be free from added colouring matter. The foodgrains shall not contain any insecticide residues other than those specified in column (2) of the table to rule 65 and the insecticide residue in the foodgrains shall not exceed the limits specified in column (4) of the said Table.

A. 18.06.01.—Wheat :

Description : Wheat shall be the dried mature grains of *Triticum aestivum* Linn or *Triticum vulgare* var., *Triticum durum* Desf., *Triticum sphaerococcum* perç., *Triticum desococcum* schubl., *Tri-*

ticum compactum Host. It shall be sweet, clean and wholesome. It shall also conform to the following standards, namely :—

- (i) Moisture—Not more than 14 per cent by weight (obtained by heating the pulverised grains at 130—133°C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 4 per cent by weight out of which inorganic matter and poisonous seeds shall not exceed 1.0 and 0.5 per cent by weight, respectively. Out of total limit of poisonous seeds, dhatura and akra (*Vicia* species) shall not exceed 0.025 and 0.2 per cent by weight respectively.
- (iii) Other edible grains—Not more than 6 per cent by weight.
- (iv) Damaged grains—Not more than 6.0 per cent by weight including Karnal bunt affected grains and ergot affected grains. The limit of ergot affected grains shall not exceed 0.05 per cent by weight.
- (v) Weevilled grains—Not more than 10 per cent by count.
- (vi) Uric acid—Not more than 100 mg. per kg.
- (vii) Rodent hair and excreta—Not more than 5 pieces per kg.
- (viii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram :

Provided that the total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 12 per cent by weight.

A. 18.06.02—Maize :

Maize shall be the dried mature grains of *Zea mays* Linn. It shall be sweet, hard, clean and whole some. It shall also conform to the following standards, namely :—

- (i) Moisture—Not more than 16.0 per cent by weight (obtained by heating the pulverised grains at 130—133°C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 4 per cent by weight out of which inorganic matter and poisonous seeds shall not exceed 1.0 and 0.5 per cent by weight respectively. Out of total limit of poisonous seeds, dhatura and akra (*Vicia* species) shall not exceed 0.025 and 0.2 per cent by weight, respectively.
- (iii) Other edible grains—Not more than 3 per cent by weight.

- (iv) Damaged grains—Not more than 5 per cent by weight.
- (v) Weevilled grains—Not more than 10 per cent by count.
- (vi) Uric acid—Not more than 100 mg. per kg.
- (vii) Rodent hair and excreta—Not more than 5 pieces per kg.
- (viii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram :

Provided that the total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 9 per cent by weight.

A. 18.06.03—Jawar and Bajra :

Jawar and Bajra shall be the dried mature grains of *Sorghum Vulgare* Pers. and *Pennisetum—typhoidum* Rich., respectively. These shall be sweet, hard, clean and wholesome. These shall also conform to the following standards, namely,—

- (i) Moisture—Not more than 14.5 per cent by weight (obtained by heating the pulverised grains at 139—133°C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 4 per cent by weight out of which inorganic matter and poisonous seeds shall not exceed 1.0 and 0.5 per cent by weight, respectively. Out of total limit of poisonous seed, dhatura and akra (*Vicia* species) shall not exceed 0.025 and 0.2 per cent by weight, respectively.
- (iii) Other edible grains—Not more than per cent by weight.
- (iv) Damaged grains—Not more than 6 per cent by weight out of which ergot affected grains shall not exceed 0.05 per cent by weight.
- (v) Weevilled grains—Not more than 6 per cent by count.
- (vi) Uric acid—Not more than 100 mg. per kg.
- (vii) Rodent hair and excreta—Not more than 5 pieces per kg.
- (viii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram :

Provided that the total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 10 per cent by weight.

A. 18.06.04—Rice :

Rice shall be the mature kernels or pieces kernels of *Oryza sativa* Linn. Obtained from paddy as raw or par-boiled. It shall be dry, sweet, clean

wholesome and free from unwholesome poisonous substance. It shall also conform to the following standards, namely:—

- (i) Moisture—Not more than 16 per cent by weight (obtained by heating the pulverised grains at 130—133°C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 3 per cent by weight out of which inorganic matter shall not exceed 1 per cent by weight.
- (iii) Damaged grains—Not more than 5 per cent by weight (excluding discoloured tip).
- (iv) Weevilled grains—Not more than 10 per cent by count.
- (v) Uric acid—Not more than 100 mg per kg.
- (vi) Rodent hair and excreta—Not more than 2 pieces per kg.
- (vii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram:

Provided that the total of foreign matter and damaged grains shall not exceed 6 per cent by weight.

A.18.06.05—Masur whole.

Masur whole shall consist of lentil (*Lens culinaris* Medik or *Ervum lens* Linn. or *Lens esculenta* Moench). It shall be sound, dry, sweet, clean and wholesome. It shall conform to the following standards namely:—

- (i) Moisture—Not more than 14 per cent by weight (obtained by heating the pulverised grains at 130—133°C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 3 per cent by weight out of which inorganic matter shall not exceed 1 per cent by weight.
- (iii) Other edible grains—Not more than 3 per cent by weight.
- (iv) Damaged grains—Not more than 5 per cent by weight.
- (v) Weevilled grains—Not more than 6 per cent by count.
- (vi) Uric acid—Not more than 100 mg per kg.
- (vii) Rodent hair and excreta—Not more than 2 pieces per kilogram.

- (viii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram:

Provided that the total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 9 per cent by weight.

A. 18.06.06—Urd whole:

Urd whole shall consist of seeds of the pulses (*Phaseolus mungo* Linn.). It shall be sound, dry, sweet and wholesome. It shall also conform to the following standards, namely:—

- (i) Moisture—Not more than 14 per cent by weight (obtained by heating the pulverised grains at 130—133°C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 3 per cent by weight out of which inorganic matter shall not exceed 1 per cent by weight.
- (iii) Other edible grains—Not more than 4 per cent by weight.
- (iv) Weevilled grains—Not more than 6 per cent by count.
- (v) Damaged grains—Not more than 5 per cent by weight.
- (vi) Uric acid—Not more than 100 mg per kilogram.
- (vii) Rodent hair and excreta—Not more than 2 pieces per kg.
- (viii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram:

Provided that the total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 9 per cent by weight.

A. 18.06.07—Moong whole :

Moong whole shall consist of seeds of green gram (*Phaseolus aureus* Roxb., *Phaseolus radiatus* Roxb.) It shall be sound, dry, sweet, wholesome and free from admixture of unwholesome substances. It shall also conform to the following standards, namely:—

- (i) Moisture—Not more than 14 per cent by weight (obtained by heating the pulverised pulses at 130—133°C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 3 per cent by weight out of which inorganic matter shall not exceed 1 per cent by weight.
- (iii) Other edible grains—Not more than 4 per cent by weight.

- (iv) Damaged grains—Not more than 5 per cent by weight.
- (v) Weevilled grains—Not more than 6 per cent by count.
- (vi) Uric acid—Not more than 100 mg per kg.
- (vii) Rodent hair and excreta—Not more than 2 pieces per kilogram.
- (viii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram:

Provided that the total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 9 per cent by weight.

A.18.06.08—Chana whole:

Chana whole shall be the dried grains of gram (*Cicer arietinum* Linn.) It shall be sound, clean, sweet, wholesome and free from unwholesome substances. It shall also conform to the following standards, namely:—

- (i) Moisture—Not more than 16 per cent by weight (obtained by heating the pulverised pulses at 130—133°C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 3 per cent by weight out of which the inorganic matter shall not exceed 1 per cent by weight.
- (iii) Other edible grains—Not more than 4 per cent by weight.
- (iv) Damaged grains—Not more than 5 per cent by weight.
- (v) Weevilled grains—Not more than 10 per cent by count.
- (vi) Uric acid—Not more than 100 mg. per kg.
- (vii) Rodent hair and excreta—Not more than 2 pieces per kilogram.
- (viii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram:

Provided that the total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 9 per cent by weight.

A.18.06.09—Split Pulse (Dal) Arhar:

Dal Arhar shall consist of husk and split seeds of red gram (*Cajanus cajan* (L.) Millsp.). It shall be sound, clean, sweet, dry, wholesome and free

from admixture of unwholesome substance. It shall also conform to the following standards, namely:—

- (i) Moisture—Not more than 14 per cent by weight (obtained by heating the pulverised pulses at 130—133°C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 2 per cent by weight out of which inorganic matter shall not exceed 1 per cent by weight.
- (iii) Other edible grains—Not more than 0.5 per cent by weight.
- (iv) Damaged grains—Not more than 5 per cent by weight.
- (v) Weevilled grains—Not more than 3 per cent by count.
- (vi) Uric acid content—Not more than 100 mg per kilogram.
- (vii) Rodent hair and excreta—Not more than 2 pieces per kilogram.
- (viii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram:

Provided that the total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 6 per cent by weight.

A. 18.06.10—Split Pulse (Dal) Moong :

Dal Moong shall consist of split seeds of green grains (*Phaseolus aureus* Roxb, *Phaseolus radiatus* Roxb). It shall be sound, clean, sweet, wholesome and free from unwholesome substances.

It shall also conform to the following standards, namely:—

- (i) Moisture—Not more than 14 per cent by weight (obtained by heating the pulverised pulse at 130—133°C for two hours), (ii) Foreign matter—Not more than 2 per cent by weight out of which inorganic matter shall not exceed 1 per cent by weight. (iii) Other edible grains—Not more than 4 per cent by weight, (iv) Damaged grains—Not more than 5 per cent by weight. (v) Weevilled grains—Not more than 3 per cent by count. (vi) Uric acid—Not more than 100 mg per kilogram. (vii) Rodent hair and excreta—Not more than 2 pieces per kilogram. (viii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilograms :

Provided that the total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 8 per cent by weight.

A. 18.06.11—Split pulse (Dal) Urd :

Dal urd shall consist of split seeds of pulse (*Phaseolus mungo* Linn). It shall be sound, dry,

sweet, wholesome and free from admixture of unwholesome substances. It shall also conform to the following standards, namely :—

- (i) Moisture—Not more than 14 per cent by weight (obtained by heating the pulverised pulse at 130-133°C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 2 per cent by weight out of which inorganic matter shall not exceed 1 per cent by weight.
- (iii) Other edible grains—Not more than 4 per cent by weight.
- (iv) Damaged grains—Not more than 5 per cent by weight.
- (v) Weevilled grains—Not more than 3 per cent by count.
- (vi) Uric acid—Not more than 100 mg. per kg.
- (vii) Rodent hair and excreta—Not more than 2 pieces per kilogram.
- (viii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram :

Provided that the total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 8 per cent by weight.

A. 18.06.12—Dal Chana :

Dal chana shall consist of split grains of gram (*Cicer arietinum* Linn). It shall be sound, clean, sweet, dry, wholesome and free from admixture of unwholesome substances. It shall also conform to the following standards namely :—

- (i) Moisture—Not more than 16 per cent by weight (obtained by heating the pulverised pulse at 130-133°C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 2 per cent by weight out of which inorganic matter shall not exceed 1 per cent by weight.
- (iii) Other edible grains—Not more than 2 per cent by weight.
- (iv) Damaged grains—Not more than 5 per cent by weight.
- (v) Weevilled grains—Not more than 3 per cent by count.
- (vi) Uric acid—Not more than 100 mg. per kilogram.
- (vii) Rodent hair and excreta—Not more than 2 pieces per kilogram :

- (viii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram :

Provided that total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 7 per cent by weight.

A. 18.06.13—Split pulse masur :

Dal masur shall consist of dehusked whole and split seed of the lentil (*Lens esculenta* Moench or *Lens culinaris* Medik or *Ervum lens* Linn). It shall be sound, clean, dry, sweet wholesome and free from admixture of unwholesome substances. It shall also conform to the following standards, namely :—

- (i) Moisture—Not more than 14 per cent by weight (obtained by heating the pulverised pulse at 130-133°C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 2 per cent by weight out of which inorganic matter shall not exceed 1 per cent by weight.
- (iii) Other edible grains—Not more than 2 per cent by weight
- (iv) Damaged grains—Not more than 5 per cent by weight
- (v) Weevilled grains—Not more than 3 per cent by count.
- (vi) Uric acid—Not more than 100 mg per kilogram
- (vii) Rodent hair and excreta—Not more than 2 pieces per kilogram.
- (viii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram:

Provided that total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 7 per cent by weight.

A. 18.06.14—Any other foodgrains not specified above shall conform to the following standards, namely :—

- (i) Moisture—Not more than 16 per cent by weight (obtained by heating the pulverised grains at 130-133°C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 6.0 per cent by weight out of which inorganic matter and poisonous seeds shall not exceed 1.0 and 0.5 per cent by weight, respectively. Out of the total limit of poisonous seeds, dhatura and akra (*Vicia* species) shall not exceed 0.025

and 0.2 per cent by weight respectively.

- (iii) Other edible grains—Not more than 6 per cent by weight.
- (iv) Weevilled grains—Not more than 10 per cent by count.
- (v) Damaged grains—Not more than 5 per cent by weight.
- (vi) Uric acid—Not more than 100mg per kg.
- (vii) Rodent hair and excreta—Not more than 5 pieces per kg.
- (viii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram:

Provided that total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 9 per cent by weight.

Explanation.—For the purposes of this item :—

- (a) “foreign matter” means any extraneous matter other than foodgrains comprising of.—
- (i) inorganic matter consisting of metallic pieces, sand, gravel, dirt, pebbles, stones, lumps of earth, clay and mud and in the case of rice, kernels or pieces of kernels, if any, having mud-sticking on the surface of the rice, and
- (ii) organic matter consisting of husk, straws, weed seeds and other inedible grains and also paddy in the case of rice;
- (b) “poisonous seeds” includes dhatura (*D. fastu. linn* and *D. stramonium linn*), corn cokle (*Agrestamma girhage*, *Machai Lallium remulenum linn*), Akra (*Vicia species*) and Argemons Mexicana;
- (c) “Damaged grains” means kernels or pieces of kernels that are sprouted or internally damaged as a result of heat, microbe, moisture or weather, viz, ergot affected grain and karnal bunt grains;
- (d) “weevilled grains” means kernels that are partially or wholly bored by insects injurious to grains but does not include germ eaten grains and non spotted grains;

(e) “Other edible grains” means any edible grains (including oil seeds) other than the one which is under consideration.

Note : The Principal rules of Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 were first published in Part II Section 3 of the Gazette of India vide S.R.O. 2106 dated 12-9-55 and subsequently amended as follows by :—

1. S.R.O. 1202 dt. 26-5-56
2. S.R.O. 1687 dt. 28-7-56
3. S.R.O. 2213 dt. 28-9-56 (Extraordinary)
4. S.R.O. 2755 dt. 24-11-56

The further amendments were published in Part II, Section 3 sub-section (i) of Gazette of India as follows by:—

5. G.S.R. 514 dt. 28-6-58
6. G.S.R. 1211 dt. 20-12-58
7. G.S.R. 425 dt. 4-4-60
8. G.S.R. 169 dt. 11-2-61
9. G.S.R. 1134 dt. 16-9-61
10. G.S.R. 1340 dt. 4-11-61
11. G.S.R. 1564 dt. 24-11-62
12. G.S.R. 1589 dt. 22-10-64
13. G.S.R. 1814 dt. 11-12-65
14. G.S.R. 74 dt. 8-1-66
15. G.S.R. 382 dt. 19-3-66
16. G.S.R. 1256 dt. 26-8-67
17. G.S.R. 1533 dt. 24-8-68
18. G.S.R. 2163 dt. 14-12-68 (Corrigendum)
19. G.S.R. 532 dt. 8-3-69
20. G.S.R. 1764 dt. 26-7-69 (Corrigendum)
21. G.S.R. 2068 dt. 30-8-69
22. G.S.R. 1809 dt. 24-10-70.
23. G.S.R. 938 dt. 12-6-71
24. G.S.R. 992 dt. 3-7-71
25. G.S.R. 553 dt. 6-5-72
26. G.S.R. 436 (E) dt. 10-10-72
27. G.S.R. 133 dt. 10-2-73
28. G.S.R. 205 dt. 23-2-74
29. G.S.R. 850 dt. 12-7-75
30. G.S.R. 508(E) dt. 27-9-75.

- | | |
|--|---|
| 31. G.S.R. 63 (E) dt. 5-2-76 | 65. G.S.R. 80 dt. 23-1-82 (Corrigendum) |
| 32. G.S.R. 754 dt. 29-5-76 | 66. G.S.R. 44 (E) dt. 5-2-82 |
| 33. G.S.R. 856 dt. 12-6-76 | 67. G.S.R. 57 (E) dt. 11-2-82. |
| 34. G.S.R. 1417 dt. 2-10-76 | 68. G.S.R. 245 (E) dt. 11-3-82 |
| 35. G.S.R. 4 (E) dt. 4-1-77 | 69. G.S.R. 307 (E) dt. 3-4-82 (Corrigendum) |
| 36. G.S.R. 18 (E) dt. 15-1-77 | 70. G.S.R. 386 dt. 17-4-82 (Corrigendum) |
| 37. G.S.R. 651 (E) dt. 20-10-77 | 71. G.S.R. 422 (E) dt. 24-5-82 |
| 38. G.S.R. 732 (E) dt. 5-12-77 | 72. G.S.R. 476 (E) dt. 29-6-82 |
| 39. G.S.R. 775 (E) dt. 27-12-77 | 73. G.S.R. 504 (E) dt. 20-7-82 (Corrigendum) |
| 40. G.S.R. 36 (E) dt. 21-1-78 | 74. G.S.R. 753 (E) dt. 11-12-82 (Corrigendum) |
| 41. G.S.R. 70 (E) dt. 8-2-78 | 75. G.S.R. 109 (E) dt. 26-2-83 |
| 42. G.S.R. 238 (E) dt. 20-4-78 | 76. G.S.R. 249 (E) dt. 8-3-83 |
| 43. G.S.R. 393 (E) dt. 4-8-78 | 77. G.S.R. 268 (E) dt. 16-3-83 |
| 44. G.S.R. 590 (E) dt. 23-12-78 | 78. G.S.R. 283 (E) dt. 26-3-83 |
| 45. G.S.R. 55 (E) dt. 31-1-79 | 79. G.S.R. 329 (E) dt. 14-4-83 (Corrigendum) |
| 46. S.O. 142 (E) dt. 16-3-79 (Corrigendum) | 80. G.S.R. 539 (E) dt. 1-7-83 (Corrigendum) |
| 47. G.S.R. 231 (E) dt. 6-4-79 | 81. G.S.R. 634 dt. 9-8-83 (Corrigendum) |
| 48. G.S.R. 423 dt. 30-6-79 (Corrigendum) | 82. G.S.R. 743 dt. 8-10-83 (Corrigendum) |
| 49. G.S.R. 1043 dt. 11-8-79 (Corrigendum) | 83. G.S.R. 790 (E) dt. 10-10-83 |
| 50. G.S.R. 1210 dt. 29-9-79 (Corrigendum) | 84. G.S.R. 803 (E) dt. 27-10-83 |
| 51. G.S.R. 19 (E) dt. 28-1-80 | 85. G.S.R. 816 (E) dt. 3-11-83 |
| 52. G.S.R. 243 dt. 1-3-80 | 86. G.S.R. 829 (E) dt. 7-11-83 |
| 53. G.S.R. 244 dt. 1-3-80 | 87. G.S.R. 848 (E) dt. 19-11-83 |
| 54. G.S.R. 996 dt. 8-9-80 (Corrigendum) | 88. G.S.R. 893 (E) dt. 17-12-83 (Corrigendum) |
| 55. G.S.R. 579 (E) dt. 13-10-80 | 89. G.S.R. 113 dt. 20-1-84 (Corrigendum) |
| 56. G.S.R. 652 (E) dt. 14-11-80 | 90. G.S.R. 500 (E) dt. 9-7-84 |
| 57. G.S.R. 710 (E) dt. 22-12-80 | |
| 58. G.S.R. 23(E) dt. 16-1-81 | |
| 59. G.S.R. 205 (E) dt. 25-3-81 (Corrigendum) | |
| 60. G.S.R. 290 (E) dt. 13-4-81 | |
| 61. G.S.R. 444 dt. 2-5-81 (Corrigendum) | |
| 62. G.S.R. 503 (E) dt. 1-9-81 | |
| 63. G.S.R. 891 dt. 3-10-81 (Corrigendum) | |
| 64. G.S.R. 1056 dt. 5-12-81 (Corrigendum) | |

[No. P-15014/4/80 PH (F & N) PFA Vol. III]

S. V. SUBRAMANIYAN, Jt. Secy.

